

तामिल वेद

अर्थात्

दक्षिणात्य ऋषि तिरुवल्लुवर के मनुष्य-जीवन
पर धर्म और अर्थ विषयों के अमृतमय उपदेश



अनुवादक—

चेमानन्द 'राहत'



प्रकाशक—

सस्ता-साहित्य-प्रकाशक मण्डल

अजमेर



पहली बार]

१९२७

{ मूल्य राजसंस्करण का ॥२॥
मूल्य साधारण संस्करण का ॥१॥

यह साधारण-संस्करण है